शनिवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

16 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 191
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गुमशुदगी निकली हत्याः

प्रेमिका ने प्रेमी को लगाया ठिकाने

❑साथियों संग गला दबाकर किया कत्ल
❑❑प्रेमिका व उसका साथी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गुमशुदगी मामले में जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि यह हत्या की वारदात है। पुलिस ने इस प्रकरण में गुमशुदा युवक की नाबालिग प्रेमिका व उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में अन्य लोग फरार है जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती 13 अगस्त को चन्द्रपुरी राणा चौक निवासी एक व्यक्ति ने अपने 18 वर्षीय बेटे के गायब होने के संबंध में दी गई शिकायत पर कोतवाली गंगनहर में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया गया था। बताया गया था कि गुमशुदा युवक दीपक दिनांक 10 अगस्त को करीब रात 8 बजे घर से मोटर साइकिल लेकर निकला था लेकिन घर नहीं लौटा, मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ मिला।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गुमशुदा दीपक रावत का प्रेम प्रसंग मकतूलपुरी निवासी नाबालिग किशोरी के साथ चल रहा था। किशोरी दीपक से शादी करना चाहती थी, परन्तु दीपक के परिजनों ने दोनों की उम्र कम होने की वजह से रिश्ते के लिए मना कर दिया। जुटाए गए विभिन्न सबूतों के आधार पर पुलिस को पता चला कि युवती का सम्पर्क राजा शर्मा उर्फ सुखविंदर नामक युवक से भी है।

पुलिस ने जांच में यह भी पाया कि दीपक रावत द्वारा पिछले कुछ समय से शादी की बात को लेकर किशोरी से दूरी बनाना शुरु कर दिया। दीपक रावत किशोरी के साथ दोस्ती के दौरान कई बार सम्बन्ध बना चुका था। इसी दौरान किशोरी की दोस्ती गाजियाबाद निवासी अपनी मौसी के पड़ोसी राजा शर्मा उर्फ सुखवेन्दर से हो गई। युवती के पूर्व प्रेम प्रसंग का पता राजा शर्मा को लगा तो उसने दीपक को फोन कर किशोरी से दूर रहने की चेतावनी भी दी।

इधर दीपक रावत युवती को लगातार सम्बन्ध बनाने के लिए दबाव डालने पर किशोरी द्वारा यह बात राजा शर्मा को बतायी गयी, जिस पर राजा शर्मा ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दीपक रावत को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया। प्लान के अनुसार 10 अगस्त को युवती ने दीपक रावत को फोन कर उसे अपनी मौसी के घर मोदीनगर छोड़ने के लिए कहा।

दीपक रावत अपनी मोटरसाइकिल में युवती को बैठाकर मोदीनगर गाजियाबाद गया। सुभारती मेडिकल कॉलेज के पास राजा शर्मा अपने 2 दोस्तों के साथ स्कूटी पर मिले, जिन्हें युवती द्वारा अपनी मौसी का पड़ोसी बताया गया। उक्त लोग दीपक रावत को अपने साथ लेकर छोटा हरिद्वार के पास नहर पटरी पर ले गये, जहां रात को करीब 10 बजे राजा शर्मा व उसके साथियों द्वारा दीपक रावत की गला दबाकर हत्या कर दी और उसे गंग नहर में फेंककर दीपक रावत की मोटरसाइकिल को लेकर फरार हो गये।

जांच के दौरान पता चला कि राजा शर्मा हत्या के बाद से लगातार मोदीनगर स्थित अपने घर से फरार था, जिसके विषय में जानकारी मिली कि राजा शर्मा अपने दोस्त के साथ मुम्बई चला गया है, जिस पर पुलिस टीम मुम्बई रवाना हुई। वही इस दौरान किशोरी की निशादेही पर राजा के साथी मोहसीन को गिरफ्तार कर लिया गया।

किशोरी व मोहसीन की निशादेही पर पुलिस द्वारा दीपक रावत के शव को देहरा झाल थाना धौलाना जनपद हापुड़ उ.प्र. से बरामद किया। मृतक दीपक रावत के शरीर का थाना धौलाना द्वारा पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

एक बेदम संबोधन

भले ही देश के कुछ मीडिया प्रतिष्ठानों और टीवी चैनलों द्वारा यह प्रचारित करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी गई हो कि पीएम मोदी लाल किले के प्राचीर से 12वीं बार देश को संबोधित करेंगे लेकिन इस 12वीं बार पर मीडिया ने जितना जोर दिया था उसे 12वीं बार के पीएम मोदी के भाषण का जो विश्लेषण किया जा रहा है उससे उन्हें अत्यधिक निराशा हो रही होगी। पीएम मोदी के पिछले 11 स्वतंत्रता दिवस के तमाम संबोधनों की तुलना की जाए तो उनका यह संबोधन अत्यंत ही बेदम कहा जा रहा है। विश्लेषक इसे एक निराशा हताशा और डरे हुए नेता का संबोधन तक बता रहे हैं। तथा कुछ लोगों को यह संबोधन देश के लिए संबोधन था ही नहीं यह तो आरएसएस, भाजपा और उसे सेना के लिए था जिसको भरोसे में रखकर वह सत्ता में बने रहना चाहते हैं। अपने संबोधन में किए गए पाकिस्तान के जिक्र के बारे में लोगों का यही कहना है कि अब वह चीन, अमेरिका और रूस का नाम इसलिए नहीं ले सके क्योंकि उन्हें पता चल चुका है कि विदेशों में उनके नाम का डंका कितना बज रहा है। अपने भाषण में अब वह आरएसएस के एजेंडे पर नतमस्तक दिखाई दिए उनको अब आरएसएस की तारीफ करना एक मजबूरी बन चुका है। उनके द्वारा संघ को 100 साल पूराना सांस्कृतिक संगठन या एनजीओ क्यों बताना पड़ रहा है तथा स्वदेशी का जागरण क्यों करना पड़ रहा है क्यों महात्मा गांधी के साथ वीर सावरकर की फोटो छापनी पड़ी है इस पर 100 सवाल उठाये जा रहे हैं। लोगों का मानना है कि डेमोग्राफिक चेंज ओर घुसपैठियों की बात वह सिर्फ अपने सत्ता में बने रहने के लिए ही कर रहे हैं, हिंदुत्व के एजेंडे के जरिए वह अब आरएसएस की बात करके सत्ता में बने रहने के लिए गिड़गिड़ाते दिख रहे है। जबकि अभी चंद दिन पूर्व ही जेपी नड्डा ने कहा था कि अब उन्हें आरएसएस की कोई जरूरत नहीं रह गई है। प्रधानमंत्री मोदी को अब इस बात का एहसास हो चुका है कि ऑपरेशन सिंदूर और अब वोट चोरी के मुद्दे और एस आई आर पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेशों के बाद उनकी राजनीतिक जमीन पैरों के नीचे से खिसक गई है। नेता विपक्ष राहुल गांधी को अपने संबोधन के दौरान पांचवी लाइन में बैठा कर सुर्खियां बटोरने वाले प्रधानमंत्री इस संबोधन में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को तलाशते रह गए। उन्होंने इस बार न तो गांध ी परिवार पर कोई हमला बोला न ही ममता बनर्जी पर। वह अब शायद विपक्ष से भी सहयोग की उम्मीद तलाश रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि संसद से लेकर सड़कों तक विपक्ष इतना हमलावर हो चुका है कि अब आगे इस प्रतिद्वंन्दिता को वह नहीं बढ़ाना चाहते। एसआईआर को लेकर जो हंगामा जारी है वह बिहार की हार की तरफ उन्हें धकेलता जा चुका है और नायडू और नीतीश जैसे सभी सहयोगी उनसे हाथ झटकने को तैयार बैठे हैं। कल जब पीएम मोदी लाल किले से बोल रहे थे उस समय राहुल गांधी कांग्रेस भवन में ध्वजारोहण के समय तेज बारिश में भीगते हुए राष्ट्रीय गान कर रहे थे। उनकी इस तस्वीर पर वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग ने एक्स पर लिखी पोस्ट में कहां है कि 140 करोड़ के मुल्क में सिर्फ एक आदमी का सहारा इतना फर्क पैदा कर देगा यह कभी सोचा न था। निश्चित तौर पर उनकी यह टिप्पणी यह बताने के लिए काफी है कि अब मोदी से जनता का भरोसा समाप्त होता जा रहा है और देश के लोग राहुल गांधी को नए भारत की नई उम्मीद के रूप में देख रहे हैं। मोदी को अब इस बात का डर सता रहा है कि सत्ता अगर हाथ से गई तो उनका क्या होगा? 10 साल में उनसे जो गलतियां हुई है उन्हें सुधारने की बातें करना क्या उन्हें और उनकी सत्ता को बचा पाएगी यह अहम सवाल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूड़ी भूषण से उनके यमुना कॉलोनी स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की और विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री सुबोध उनियाल भी मौजूद थे।

बिजली पोल से केबिल डालने को लेकर विवाद के मामले में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने दिए जांच के आदेश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। 13 अगस्त को राजधानी देहरादून के रेसकोर्स में बिजली पोल से केबिल डालने को लेकर विवाद के मामले में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने सख्ताई दिखाते हुए गंभीर जांच के आदेश दिए है।

जानकारी के अनुसार यहां पर विद्युत की भूमिगत लाइन बिछाई गई है। एक परिवार के घर में बिजली दिक्कत होने के कारण उन्होंने केबिल लगाने के लिए विद्युतकर्मियों को बुलाया था। जिस को लेकर यहा विवाद हुआ। मामले में राज्य महिला आयोग को शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई है जिसमे उनके द्वारा बताया गया है कि करीब दोपहर 1:30 बजे प्रार्थिनी के घर पर थाना नेहरू कालोनी, देहरादून के पुलिस वाले व उनसे विवाद करने वाले पड़ोसी आये तथा घर के आगे के बिजली के खम्भे से तार को छेड़ने लगे जिस पर प्रार्थिनी तथा उसकी बेटी द्वारा उनसे कारण पूछा गया। वे अपने साथ आये हुए अन्य कर्मचारियों से प्रार्थिनी के घर के रास्ते, की दीवार पर कीलें व तार लगाते हुए कहने लगे कि यहां से बिजली की तार लगानी है, क्योंकि आपके पड़ोस में लाइट नहीं आ रही है जब प्रार्थिनी द्वारा आपत्ति की गयी तो उक्त लोग अभद्रता पर उतर आये तथा दुर्व्यवहार करने लगे जिस पर प्रार्थिनी द्वारा उनकी वीडियो बनायी गयी तो वे गन्दी व अश्लील

गालियां एवं धमकी देने लगे कि दोनों तुम मां-बेटी को थाने ले जाकर सबक सिखा देंगे।

शिकायतकर्ता द्वारा बताया गया कि उसके बाद शाम को लगभग 4:00 बजे एक कार सिटी पेट्रोल (112) की गाड़ी से लगभग 8-10 लोग प्रार्थिनी के घर के बाहर आये जिनमें से कुछ पुलिस वाले अपनी-अपनी अन्य गाड़ियो से आये, तथा पड़ोसी व उसकी बहू तथा एक अन्य व्यक्ति व पुलिस में ही कार्यरत कुछ व्यक्ति आये तथा पुन: प्रार्थिनी के गेट के किनारे पर तार व खम्बा लगाने लगे। जिसको मना करने पर शिकायतकर्ता व उनकी बेटी के साथ अभद्रता की गई। प्रार्थिनी के विरोध करने पर पुलिस वाले पड़ोसी आदि सभी लोग प्रार्थिनी के घर में दो मंजिले पर आ घुसे तथा जब उनकी वीडियों बनायी गयी तो उन्होंने फोन छीन लिये तथा प्रार्थिनी व उसकी बेटी से मारपीट करने लगे मामले में पीड़िता व उसकी बेटी को मारते हुए घसीट कर सीढीयों से नीचे लाया गया और वहां भी मारा गया। इसके बाद और भी महिला पुलिस आये तथा सभी ने प्रार्थिनी को घसीटते हुए ले जाकर गाड़ी में बैठाया तथा प्रार्थिनी की बेटी को मार पीटकर उसके हाथ पर किसी नुकीली चीज से काट कर उसको अचेत अवस्था में छोड दिया।

मामले की जानकारी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष को मिलने पर उन्होंने थानाध्यक्ष नेहरू कॉलोनी से फोन पर प्रकरण की जानकारी ली जिसमें थानाध्यक्ष द्वारा बताया गया की मामले में माँ व बेटी के द्वारा ही मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता व मारपीट की गई है, इसके उपरान्त अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने प्रकरण में एसपी सिटी सहित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह से फोन पर वार्ता के क्रम में गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश दिए है।

महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बताया उन्होंने दोनों पक्षो को सोमवार को आयोग में बुलाया है साथ ही उन्होंने बताया कि राज्य महिला आयोग की एक टीम द्वारा प्ररकण की गंभीर व निष्पक्ष जांच की जाएगी क्योंकि यह अत्यंत निन्दानीय घटना है, जो भी गलत होगा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून समाज की सुरक्षा के लिए है और यदि किसी के द्वारा कानून का गलत उपयोग किया गया है या कानून के नियमों का उल्लंघन किया है तो उसके विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

43 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के क्षेत्र में अपनी उपेक्षा से खफा नागरिकों ने उपवास रख विरोध दर्ज किया

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। 43 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मातृभूमि में 15 अगस्त को अपनी उपेक्षा से खफा नागरिकों ने उपवास रखकर अपना विरोध दर्ज किया। इसके लिए उत्तराखंड सरकार, शासन तथा जिला प्रशासन को दोषी ठहराया। कहा कि दिल्ली में होने वाले 15 अगस्त के कार्यक्रम में मुनस्यारी की महिलाओं का नाम नहीं भेजा गया। नाम नहीं भेजना सीमांत की महिलाओं का अपमान है।

15 अगस्त को दिल्ली में होने वाले स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में बाईब्रेंट विलेज की महिलाओं को आर्मेत्रित किया गया था। जिला स्तर से केवल एक विकासखंड की महिलाओं को ही नामित कर दिल्ली भेजा गया। इसकी जानकारी मिलते ही मुनस्यारी बचाओं संघर्ष समिति के संयोजक तथा पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने 3 अगस्त को प्रदेश के मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव के साथ जिलाधिकारी को सूचि बनाने में किए गए अपमान तथा अन्याय पर ईमेल से पत्र भेजकर आपत्ति प्रकट कर दी थी। स्थानीय नागरिक इस आशा में थे, कि इस पत्र का संज्ञान लेकर सूची में बदलाव किया जाएगा और मुनस्यारी की महिलाओं

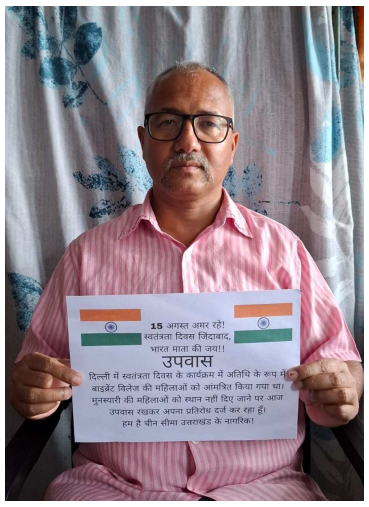

❑दिल्ली की सूचि में नाम नहीं होने से नाराजगी
❑सरकार, शासन, जिला प्रशासन ने शिकायत भी नहीं सुनी
❑जांच नहीं हुई तो पीएम से करेंगे शिकायत

को दिल्ली जाने का अवसर प्राप्त होगा। सरकार, शासन और जिला प्रशासन से मिली उपेक्षा के कारण शुक्रवार को क्षेत्र के दर्जनों गांवों में उपवास का कार्यक्रम रखा गया। देश-विदेश में रहने वाले विकासखंड के निवासियों ने भी उपवास के कार्यक्रम में बढ़ चढकर हिस्सा लिया।

उपवास करते हुए संयोजक जगत मर्तोलिया ने कहा कि जिस क्षेत्र ने स्वतंत्रता के आंदोलन में 43 स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दिए। एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आजादी के आंदोलन में ही शहीद हो गया। पिथौरागढ़ में शहीद स्वतंत्रता संग्राम सेनानी केवल इसी विकासखंड से है।

उन्होंने कहा कि आजादी की आंदोलन में योगदान देने में कुमाऊं मंडल के सल्ट के बाद दूसरे नंबर पर आने वाले इस क्षेत्र की महिलाओं को दिल्ली जाने की सूची से अलग कर दिया गया। उन्होंने कहा कि सूची बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं हुई और भविष्य में इस प्रकार के अपमानजनक व्यवहार ना हो इसकी गारंटी नहीं मिलने पर इस आंदोलन को आगे भी जारी रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुनस्यारी की महिलाओं की अपेक्षा और अपमान को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

घर पर चाकू को तेज करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

रसोई के कामों के लिए एक तेज धार वाला चाकू बहुत जरूरी होता है। हालांकि, समय के साथ चाकू की धार कम हो जाती है, जिससे काटने में दिक्कत होती है। ऐसे में चाकू की धार फिर से तेज करने के लिए आप कुछ आसान और प्रभावी तरीके अपना सकते हैं। इन तरीकों से आप अपने चाकू को बिना किसी परेशानी के घर पर ही तेज कर सकते हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं।

कांच की बोतल का करें इस्तेमाल

कांच की बोतल से चाकू तेज करना एक आसान और सुरक्षित तरीका है। इसके लिए सबसे पहले एक खाली कांच की बोतल लें और उसे उल्टा करके उसके तले को चाकू से रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। ध्यान रहें कि बोतल को मजबूती से पकड़ें ताकि वह टूट न जाए। इस तरीके से आप बिना किसी खतरे के अपने चाकू को आसानी से तेज कर सकते हैं।

टाइल्स का करें उपयोग

टाइल्स का इस्तेमाल करके भी चाकू को आसानी से तेज किया जा सकता है। इसके लिए किसी पुरानी टाइल को लें और उसके खुरदरे हिस्से पर चाकू को कुछ मिनट रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। ध्यान रखें कि टाइल्स को मजबूती से पकड़ें ताकि वे फिसल न जाएं। इस तरीके से आप बिना किसी उपकरण के अपने चाकू को घर पर ही आसानी से तेज कर सकते हैं।

सैंडपेपर भी है कारगर

सैंडपेपर एक ऐसा सामग्री है, जिसका उपयोग करके भी चाकू की धार तेज की जा सकती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए सैंडपेपर को एक समतल सतह पर रखें और चाकू को उसके ऊपर हल्के हाथों से रगड़ें। इससे चाकू की धार वापस आ जाएगी। इस तरीके से आप बिना किसी उपकरण के अपने चाकू को घर पर ही आसानी से तेज कर सकते हैं और उसे लंबे समय तक उपयोग में ला सकते हैं।

पत्थर भी है प्रभावी

पत्थर का उपयोग करके भी आप अपने चाकू की धार को तेज कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक साफ और सूखा पत्थर चाहिए होगा, जिसे आप चाकू की धार वाली तरफ से हल्के हाथों से ऊपर-नीचे करें। यह प्रक्रिया आपके चाकू की धार को तुरंत सुधार सकती है और उसे लंबे समय तक टिकाऊ भी बनाती है। (आरएनएस)

लिपस्टिक के कारण होंठ हो जाते हैं काले? इन 5 बातों का रखें ध्यान

कई महिलाएं लिपस्टिक के बिना घर से बाहर नहीं निकलतीं, लेकिन रोजाना लिपस्टिक लगाने से होंठ काले पड़ने लगते हैं। इसका कारण लिपस्टिक में मौजूद रासायनिक तत्व होते हैं, जो होंठों को नुकसान पहुंचाते हैं। हालांकि, अगर लिपस्टिक की सही से देखभाल की जाए तो इससे होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। आइए आज हम आपको लिपस्टिक से होने वाले नुकसान को दूर करने के लिए कुछ उपाय बताते हैं।

लिपस्टिक लगाने से पहले लिप स्क्रब करें इस्तेमाल

लिप स्क्रब से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद मिलती है, जिससे होंठ मुलायम और चिकने बन सकते हैं। इसके लिए आप बाजार से लिप स्क्रब खरीद सकते हैं या फिर घर पर खुद बना सकते हैं। लिप स्क्रब बनाने के लिए चीनी, शहद और नारियल का तेल मिलाएं और इससे अपने होंठों को हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद अपने होंठों को गुनगुने पानी से धो लें और फिर लिपबाम लगाएं।

लिपबाम का करें इस्तेमाल

लिपबाम होंठों को नमी देने में मदद करता है और उन्हें सूरज की हानिकारक किरणों से बचाता है। इसके अलावा यह होंठों को मुलायम और चिकना बनाता है। लिपबाम खरीदते समय उसमें प्राकृतिक तत्व जैसे नारियल का तेल, जैतून का तेल या शिया बटर हो, ऐसा ध्यान रखें। ये तत्व होंठों को पोषण देते हैं और उन्हें स्वस्थ रखते हैं। हर दिन दो बार लिपबाम लगाएं ताकि आपके होंठ हमेशा नरम और चमकदार बने रहें।

हल्के रंगों का करें चयन

अगर आप लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं तो हमेशा हल्के रंग की लिपस्टिक चुनें। गहरे रंग की लिपस्टिक न केवल आपके होंठों को काला कर सकती है बल्कि उन्हें सूखा भी सकती है। हल्के रंग की लिपस्टिक जैसे गुलाबी या हल्के भूरे रंग आपके होंठों को प्राकृतिक दिखाते हैं और उन्हें पोषण भी देते हैं। इसके अलावा ये रंग हर मौके पर अच्छे लगते हैं और आपके लुक को भी खास बनाते हैं।

मैट और लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक से बचें

मैट और लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक में ऐसे रासायनिक तत्व होते हैं, जो आपके होंठों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये तत्व आपके होंठों की नमी को छीन लेते हैं, जिससे वे सूखे और काले हो सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप रासायनिक तत्व रहित लिपस्टिक का ही इस्तेमाल करें। इसके अलावा जब भी लिपस्टिक लगाएं तो पहले अपने होंठों पर थोड़ा सा लिपबाम लगाएं, इससे आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहेगी।

रात को सोने से पहले लगाएं लिपबाम

रात को सोने से पहले अपने होंठों पर थोड़ा सा लिपबाम लगाएं ताकि वे रातभर नमी प्राप्त कर सकें और सुबह उठते ही तरोताजा महसूस करें। यह आदत आपके होंठों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी और उन्हें काला होने से बचाएगी। इस तरह आप आसानी से अपनी लिपस्टिक का ख्याल रख सकती हैं बिना किसी चिंता के कि वह आपके होंठों को नुकसान पहुंचाएगी। (आरएनएस)

जंक फूड पूरी तरह से छोड़ने की जरूरत नहीं!

आप जैसी बॉडी चाहते हैं उसे पाना आसान काम नहीं। इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है साथ ही अपने फेवरिट फूड का सेक्रिफाइस भी करना पड़ता है। क्योंकि पिज्जा, बर्गर्स, फ्राइज, आइसक्रीम और चॉकलेट वगैरह जितने टेस्टी होते हैं उतने ही अनहेल्दी भी साथ ही खुद को इनसे दूर रखना बेहद मुश्किल होता है। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर आप अपना फिटनेस गोल भी मेंटेन रख सकते हैं और इन टेस्टी चीजों का टेस्ट भी एंजॉय कर सकते हैं और हां जानें ऐसा क्यों जरूरी है...

जी हां, आपको जंक फूड पूरी तरह से छोड़ने की जरूरत नहीं, हफ्ते में कम से कम एक बार जंक फूड जरूर खाएं। हफ्ते में एक बार जंक फूड खाकर आपको ऐसा लगेगा कि आप अपनी बॉडी की विश इसे बिना नुकसान पहुंचाए पूरी कर रहे हैं। इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है और बॉडी ज्यादा कैलरी बर्न करती है। बस इतना याद रखें कि सिर्फ चीट मील लें न कि पूरे दिन जंक खाते रहें। कई लोगों के लिए फास्ट फूड केचअप, मयोनीज और बार्बेक्यू सॉस के बिना अधूरा रहता है। इनमें काफी कैलरी होती है इसलिए इसे न खाएं या फिर इन्हें खाना कम कर दें।

फास्ट फूड के साथ ज्यादातर यह समस्या होती है कि लोग इसे ज्यादा खा लेते हैं। इससे बचने के लिए आप पहले पानी पी लें। इससे आपको पेट भरा लगेगा और आप ज्यादा खाने से बच जाएंगे। इसका मतलब यह है कि यह जरूर ध्यान रखें कि आप जो खा रहे हैं वह आपके शरीर और दिमाग पर क्या असर डालेगा। इसके लिए आप इसे अच्छी तरह चबाकर और धीरे-धीरे खाएं। ऐसा करने से यह अच्छी तरह पचेगा और पेट भरने पर आपके दिमाग को अलर्ट रखने में मदद करेगा। फास्ट फूड में बहुत सी अनहेल्दी चीजें जैसे चीनी, सैचुरेटेड फैट्स, ट्रांस फैट्स और काफी सारी कैलरीज होती हैं। जहां हफ्ते में एक बार फास्ट फूड खाने से कुछ वक्त तक सेहत पर खास असर नहीं पड़ेगा लेकिन आपने इसे आदत बना लिया तो इसके इनग्रेडिएंट्स आपको नुकसान पहुंचाने लगेंगे। इसके साइड इफेक्ट्स से बचने के लिए कम मात्रा में खाएं। फास्ट फूड में काफी कैलरीज होती हैं यानी सिर्फ एक मील में आपके रेग्युलर खाने से तीन गुना ज्यादा कैलरीज होती हैं साथ में न्यूट्रिशन भी नहीं होता। हालांकि हफ्ते में एक बार जंक फूड खाना फायदेमंद हो सकता है इसलिए ध्यान रखें कि पूरे दिन में सिर्फ एक बार ही जंक फूड खाएं वर्ना कैलरीज फैट के रूप में आपके शरीर में इकट्ठी हो जाएंगी।

हाथों को आकर्षक बनाने के लिए इस्तेमाल करें ये 4 तरह की नेल पेंट

नाखूनों को आकर्षक बनाने के लिए कई महिलाएं नेल पेंट का इस्तेमाल करती हैं। ये पूरे लुक को बेहद खूबसूरत बनाने के साथ-साथ हाथों को आकर्षक बनाने में भी मदद करती हैं। अलग-अलग जगहों के लिए अलग-अलग की नेल पेंट इस्तेमाल की जाती हैं। बाजार में भी अब कई तरीके की नेल पेंट मौजूद हैं, जिसके कारण महिलाएं अक्सर कंफ्यूज हो जाती हैं। आइए आज हम आपको चार बेहतरीन नेल पेंट के बारे में बताते हैं।

मैट नेल पेंट काफी पसंद की जाती है। ये नेल पेंट आपके नाखूनों को बगैर चमक या शाइनिंग के एक चिकनी फिनिश देती है। इससे आपके हाथ बेहद खूबसूरत दिखते हैं। इस नेल पेंट में आप पेस्टल रंगों को चुन सकती हैं। इसे आप नॉर्मल दिनों में या किसी प्रोग्राम में भी लगा सकती हैं। इसे लगाने से आपके नाखून चमकीले नहीं दिखेंगे, इसलिए दिन के प्रोग्राम में लगाने के लिए ये नेल पेंट बढ़िया विकल्प है।

क्रोम नेल पेंट में एक खास बात होती है कि यह नियमित नेल पेंट की तुलना में अधिक लंबे समय तक चलती है। इसे लगाने से नाखूनों पर एक बहुत ही खूबसूरत चमक आती है। अगर आपको रात की पार्टी में जाना है तो क्रोम नेल पेंट बिल्कुल सही है। अपने नाखूनों पर इसे दो बार लगाएं और इसके बाद हाई-शाइन टॉप कोट लगाएं। ये आपके पूरे लुक पर चार चांद लगा देगी।

अक्टूबर से दिसंबर के बीच बहुत शादी होती हैं और ऐसे मौकों के लिए ग्लिटर नेल पेंट बहुत अच्छा विकल्प है। ये आपके नाखूनों की चमक और ज्यादा बढ़ा देगी। ये आमतौर पर ट्रांसपेरेंट होती है और इसमें ग्लिटर के टुकड़े शामिल रहते हैं। नाखूनों पर बेस कोट लगाने के बाद ग्लिटर पेंट के दो कोट लगाएं और फिर ग्लॉस कोट लगा लें। ये नियमित या मैट नेल पेंट की तुलना में अधिक लंबे समय तक चलती है।

क्रीम नेल पेंट बहुत ही क्लासिक और सुरक्षित है। ये आपके नाखूनों को ग्लॉसी फिनिश लुक देती है। इसमें किसी प्रकार की मिलावट नहीं होती, इसलिए यह लंबे समय तक चलती है। हालांकि इसे हटाने के लिए आपको नेल पेंट रिमूवर की जरूरत पड़ेगी। इसके सिर्फ दो कोट लगाने से आपके हाथ आकर्षक दिखेंगे। बाजार में यह नेल पेंट बहुत से रंगों में उपलब्ध है। आप अपने कपड़ों की मैचिंग या फिर पसंदीदा रंग में इसे खरीद सकती हैं।

बालों को पूरा पोषण देकर सुंदर और मजबूत बनाता है लहसुन के तेल

लहसुन में पाया जानेवाला सेलेनियम तत्व हमारे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने का काम करता है। इसका तेल बालों की जड़ों में लगाने से बालों को अधिक मात्रा में पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है। लहसुन के तेल में मौजूद सल्फर बालों के लिए बहुत लाभदायक होता है। यह सिर की त्वचा में मौजूद रोम छिद्रों की सफाई का काम भी करता है। बालों मजबूत बनाता है और उन्हें झड़ने से रोकता है।

इतना ही नहीं लहसुन का तेल बालों में लगाने से इरिटेटेड स्कैल्प भी शांत होते हैं और सिर से डैंड्रफ की समस्या भी दूर होती है। आप लहसुन के तेल को किसी अन्य हेयर ऑइल के साथ मिलाकर बालों की जड़ों में लगा सकते हैं। आप चाहें तो इसके साथ हेयर मास्क भी तैयार कर सकते हैं।

-लहसुन के तेल और नारियल तेल

को अपने बालों की लंबाई के हिसाब से आधा-आधा मिला लें। अब इस तेल से अपने सिर पर बालों की जड़ों में हल्के हाथों से मसाज करें। इसके साथ ही पूरे बालों पर इस तेल को अच्छी तरह लगाएं। आधा से एक घंटा बाद शैंपू कर लें।

- लहसुन का तेल शहद में मिलाकर भी आप बालों के लिए हेयर मास्क तैयार कर सकते हैं। बालों की लंबाई के हिसाब से शहद लें और उसमें थोड़ा सा लहसुन का तेल मिला लें। अब इस मास्क को 30 मिनट तक बालों पर लगाएं रखें और फिर शैंपू कर लें।

कई मेकअप और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का विकल्प बन सकता है कंसीलर

कंसीलर एक मेकअप प्रोडक्ट है। इसका इस्तेमाल आंखों के काले घेरे, चेहरे के दाग-धब्बे और हाइपरपिग्मेंटेशन जैसी खामियों को छिपाने में मदद करता है। हालांकि, इसका इस्तेमाल सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। आप चाहें तो कई तरह के मेकअप प्रोडक्ट्स और स्किन केयर प्रोडक्ट्स के विकल्प के तौर पर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए आज कंसीलर से जुड़े पांच बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

अपने होंठो को उभरा हुआ दिखाएं : आजकल बाजार में कई ऐसे लिप प्रोडक्ट्स मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल होंठो को उभरा हुआ दिखाने के लिए किया जा सकता है। हालांकि, अगर आप बिना किसी परेशानी के अपने होंठों को उभरा हुआ दिखाना चाहते हैं तो इसके लिए कंसीलर का इस्तेमाल करें। सबसे पहले अपने होठों पर हाइड्रेटिंग लिपबाम लगाएं। इसके बाद अपनी लिप लाइन पर कंसीलर का इस्तेमाल करें और ब्रश की मदद से इसे ब्लेंड करें। अब अपने होठों पर लिपस्टिक लगाएं।

आईशैडो बेस के रूप में करें इस्तेमाल : कुछ आईशैडो के रंग पलकों पर ढंग से लगते ही नहीं है, लेकिन आप चाहें तो कंसीलर की मदद से इस काम को भी आसान बना सकते हैं। इसके लिए अपनी पलकों पर कंसीलर की एक पतली परत लगाएं और इसे किसी मेकअप ब्रश या स्पंज से अच्छी तरह ब्लेंड करें। इसके बाद एक न्यूड आईशैडो को अपनी पलकों पर लगाएं, फिर इसके ऊपर अपना पसंदीदा आईशैडो रंग लगाएं।

बतौर कंटूरिंग क्रीम आएगा काम : कंटूरिंग को मेकअप का बेस माना जाता है। इसके जरिए चेहरे को एक स्लिम और परफेक्ट लुक दिया जा सकता है। हालांकि, अगर आप महंगी कंटूरिंग क्रीम में निवेश नहीं करना चाहते हैं तो डार्क शेड के कंसीलर से कंटूरिंग का काम भी कर सकते हैं। इसके लिए अपनी त्वचा की टोन से एक या दो शेड गहरे रंग का कंसीलर चुनें और इसे अपनी नाक, जॉ लाइन और चीकबोन्स पर लगाकर मेकअप स्पंज से ब्लेंड करें।

हाइलाइटर के तौर पर करें इस्तेमाल : हाइलाइटर चेहरे के बेस्ट फीचर्स को हाइलाइट करने और उसकी कुछ खामियों को छिपाने में मदद करता है। अगर आपके पास हाइलाइटर नहीं है तो आप कंसीलर की मदद से भी अपने चेहरे को हाइलाइच कर सकते हैं। इसके लिए अपनी त्वचा की रंगत से एक या दो शेड हल्के कंसीलर का इस्तेमाल करें। यकीनन इससे आपको नेचुरल ग्लो मिलेगा।

आप कंसीलर का इस्तेमाल टिंटेड मॉइस्चराइजर के रूप में भी आसानी से कर सकते हैं। हालांकि, कंसीलर का कवरेज टिंटेड मॉइस्चराइजर से अधिक होता है और इसे सीधे अपने चेहरे पर लगाने से यह त्वचा पर पैची दिख सकता है। ऐसे में कंसीलर को टिंटेड मॉइस्चराइजर के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए पहले कंसीलर को एक मॉइस्चराइजर के साथ मिलाएं और फिर इसे अपने पूरे चेहरे पर लगाएं।

गर्भावस्था में आते हैं कई तरह के बदलाव

गर्भावस्था में औरतों के शरीर में कई तरह के शारीरिक और मानसिक बदलाव आते हैं। इस समय कुछ चीजें अच्छी तो कुछ से नफरत होने लगती है। वहीं, बहुत से अध्ययन यह भी कहते हैं कि जिस तरह से बच्चे का ब्रेन डिवेलप होता है, उसी तरह से मां के मस्तिष्क में भी कुछ अच्छे बदलाव होते हैं। इनका उन पर साकारात्मक असर पड़ने लगता है।

गर्भावस्था के दौरान होते हैं ये तीन अच्छे बदलाव

एक शोध के मुताबिक गर्भावस्था के दौरान मस्तिष्क के आगे और अस्थायी भागों से ग्रे मैटर कम हुए। दिमाग के वो हिस्से हैं जो महत्वपूर्ण कार्यों से जुड़े होते हैं। इसमें जितनी कमी होती है शिशु के प्रति मां का उतना ज्यादा लगाव होना शुरू हो जाता है। इससे मां की बच्चे को लेकर नाकारात्मक भावनाएं कम होने लगती हैं।

एक रिसर्च के मुताबिक दिमाग में होने वाले बदलाव से याददास्त पर असर नहीं पड़ता। गर्भावस्था के दौरान मस्तिष्क सिकुड़ जाता है, इससे मां खतरे के संकेत को पहचानने में ज्यादा सजग हो जाती है। मस्तिष्क में आए बदलाव डिलिवरी के बाद बच्चे के साथ मां के रिश्ते को और भी ज्यादा बेहतर बना देता है। यह बदलाव जन्म के बाद मां को अवसाद का सामना करने में मदद करते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

वजन घटाने के लिए बेहद प्रभावी है घर के अंदर साइकिल चलाना, मिलते हैं ये फायदे

स्पिन एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो न केवल शरीर को फिट रखती है, बल्कि वजन घटाने में भी मदद करती है। यह तेज गति वाली कार्डियो एक्सरसाइज है, जिसमें घर के अंदर ही साइकिल चलाना शामिल होता है। इस एक्सरसाइज की मदद से ऊर्जा बढ़ जाती है और कैलोरी जलाने में भी मदद मिलती है। इस लेख में हम आपको स्पिन एक्सरसाइज के 5 प्रमुख फायदों के बारे में बताएंगे, जो वजन घटाने की यात्रा को आसान बना देंगे।

कैलोरी जलाने में है मददगार

स्पिन एक्सरसाइज की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह जल्दी कैलोरी जलाने में मदद करती है। एक घंटे का स्पिन सत्र लगभग 500-700 कैलोरी तक जला सकता है, जो अन्य कार्डियो एक्सरसाइज की तुलना में बहुत ज्यादा है। इससे आपका वजन घटाने का लक्ष्य जल्दी पूरा हो सकता है और आपको परिणाम भी जल्दी दिख सकते हैं। नियमित स्पिन सत्र से ऊर्जा खपत भी तेज हो जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है।

ऊर्जा खपत को करती है तेज

स्पिन एक्सरसाइज आपकी ऊर्जा खपत को तेज करने में मदद कर सकती है। जब ऊर्जा खपत तेज होती है तो आपका शरीर आराम करते समय भी कैलोरी जलाता रहता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है और अतिरिक्त चर्बी जलाना भी आसान हो जाता है। इसके अलावा, तेज ऊर्जा खपत से ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है, जिससे आप अन्य एक्सरसाइज भी बेहतर तरीके से कर सकते हैं और आपकी फिटनेस में सुधार हो सकता है।

हृदय स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

स्पिन एक्सरसाइज दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह आपके दिल की धड़कन को बढ़ाती है और रक्त संचार को बेहतर बनाती है। नियमित रूप से स्पिन एक्सरसाइज करने से उच्च रक्तचाप का खतरा कम होता है और दिल की बीमारियों से बचाव होता है। इसके अलावा, यह एक्सरसाइज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं।

मानसिक तनाव होता है कम

वजन घटाने के अलावा, स्पिन एक्सरसाइज मानसिक तनाव को भी कम करती है। इससे शरीर में अच्छे हार्मोन उत्पन्न होते हैं, जो मूड को बेहतर बनाते हैं और तनाव घटाते हैं। इससे न केवल आपका शरीर सेहतमंद रहता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। स्पिन करते समय ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होती है, जिससे मानसिक शांति मिलती है और आप ज्यादा सकारात्मक महसूस कर सकते हैं। नियमित रूप से स्पिन करने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

मांसपेशियों को मजबूत बनाने में है सहायक

स्पिन एक्सरसाइज के लाभ सिर्फ चर्बी जलाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह मांसपेशियों को भी मजबूत बनाती है। साइकिल चलाते समय पैरों की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे उनकी मजबूती बढ़ती है। इसके अलावा, हाथों और पीठ की मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं। इस प्रकार स्पिन एक्सरसाइज कई तरीकों से वजन घटाने में मददगार साबित हो सकती है। अगर आप भी अपने फिटनेस लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो इस एक्सरसाइज को अपनाएं और स्वस्थ जीवन जिएं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -49

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

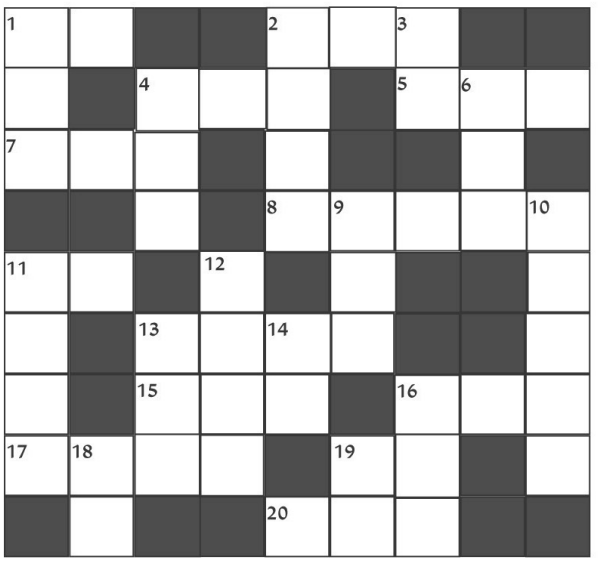

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 48 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

जी.वी. प्रकाश स्टारर ब्लैकमेल की रिलीज टली!

निर्देशक मु मुरान की बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्म ब्लैकमेल की रिलीज डेट टल गई हैं। फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया में एक पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, जेडीएस फिल्म फैक्ट्री, ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ब्लैकमेल की रिलीज डेट को कुछ कारणों से आगे बढ़ा दिया गया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, हमारी फिल्म ब्लैकमेल की रिलीज डेट कुछ कारणों से टाली जा रही है। इससे हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। जल्द ही नई रिलीज डेट बताएंगे। टीम ब्लैक।

फिल्म में अभिनेता जी.वी. प्रकाश अभिनेत्री तेजू अश्विनी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही इस फिल्म में श्रीकांत, बिंदु माधवी, लिंगा, तिलक रमेश और मुथु कुमार जैसे स्टार्स शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले जीवी प्रकाश कुमार और तेजू अश्विनी की जोड़ी पटक पटक में नजर आ चुकी है। यह गाना काफी पॉपुलर हुआ था। इस फिल्म का निर्माण ए. देवकानी ने किया है और जेडीएस फिल्म फैक्ट्री के बैनर तले प्रस्तुत हो रही है। फिल्म का संगीत सैम सी.एस. ने बनाया है और एडिटिंग लोकेश सेन ने की है। निर्देशक मु. मारन का है, जो थ्रिलर इरावुक्कु अयिराम कंगल के लिए जाने जाते हैं, फिल्म में अरुल निधि और महिमा नांबियार मुख्य भूमिका में थे। ब्लैकमेल का पोस्टर रिलीज हो चुका है, जिसमें जी.वी. प्रकाश एक मोटर बाइक के पास खड़े दिखाई दे रहे हैं, बाइक की नंबर प्लेट पर मनी लिखा है। पोस्टर में जी. वी. प्रकाश के चेहरे के हावभाव ऐसे हैं, जैसे वो कंफ्यूज और चिंतित हैं। उनके चेहरे के भाव देखकर लग रहा है कि वो किसी मुश्किल में हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या होने वाला है। वहीं, सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी गोकुल बेनॉय ने संभाली है। सभी किरदारों के लिए तिलक प्रिया शनमुखम और विनोद सुंदर ने कॉस्ट्यूम डिजाइन किया है। इसके अलावा, फिल्म में एक्शन सीन राजशेखर ने डायरेक्ट किए हैं, वहीं, मेकअप शशिकुमार परमशिवम ने किया है।

प्रियदर्शी की नई फिल्म मिश्रा मंडली का ऐलान, फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

विचित्र प्री-लुक के बाद जिसने सोशल मीडिया पर उत्साह और अटकलें पैदा कर दी थीं कि नकाबपोश अवतार में कौन कलाकार हो सकते हैं, मिथरा मंडली का बहुप्रतीक्षित फर्स्ट लुक पोस्टर आज अनावरण किया गया है, और यह वादे के अनुसार हर तरह से जीवंत है।

पोस्टर में नीले मुखौटों के पीछे के गिरोह का परिचय दिया गया है, जिसमें प्रियदर्शी, राग मयूर, विष्णु ओई और प्रसाद बेहरा जैसे कलाकारों की टोली दिखाई गई है जो असीमित आनंद, अराजकता और मनोरंजन देने के लिए तैयार है।

इस फ़िल्म में एक नया मोड़ यह है कि यह सोशल मीडिया सनसनी निहारिका एनएम की तेलुगु डेब्यू फ़िल्म है, जिससे फ़िल्म की क्रेज़ी क्रू पूरी हो गई है। निहारिका हाल ही में टॉम क्रूज़ के साथ मिशन इम्पॉसिबल- फ़ाइनल रेकनिंग में काम करने के लिए चर्चा में रही हैं। अपने बेहतरीन अभिनय, कॉमिक टाइमिंग और अनोखे किरदारों के लिए मशहूर प्रियदर्शी, मैड फेम विष्णु ओई, राग मयूर और प्रसाद बेहरा, मिश्रा मंडली में मनोरंजन का एक शानदार स्रोत लेकर आए हैं। यह फिल्म बन्नी वास द्वारा उनके नए लॉन्च किए गए बैनर बीवी वर्क्स के तहत प्रस्तुत की जा रही है, और सप्त अश्व मीडिया वर्क्स, व्यारा एंटरटेनमेंट्स और उत्साही निर्माता कल्याण मंथिना, भानु प्रताप और डॉ. विजेंद्र रेड्डी तेगला के ऊर्जावान सहयोग से निर्मित है। नवोदित निर्देशक विजयेंद्र एस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में एक शानदार तकनीकी टीम है, जिसमें आर.आर. ध्रुवन ने संगीत तैयार किया है, सिद्धार्थ एस.जे. ने छायांकन का काम संभाला है, तथा पीके संपादक हैं।

अनुराग कश्यप की नई फिल्म निशानची का ऐलान

प्रसिद्ध फिल्ममेकर अनुराग कश्यप एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उनकी नई फिल्म निशानची' 19 सितंबर 2025 कोसिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म से अभिनेता आश्वरी ठाकरे डेब्यू कर रहे हैं और यह क्राइम और इंसानी जज्बातों की एक सशक्त और गहनकहानी पेश करने का वादा करती है। कश्यप की फिल्मों की खासियत उनकी बेबाक और सच्ची कहानियाँ होती हैं, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं।

निशानची' का प्रोडक्शन जार पिक्चर्स के अजय राय और रंजन सिंह ने फ्लिप फिल्म्स के सहयोग से किया है। इस फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिकापंवार, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी में सस्पेंस, प्यार और न्याय कीजटिल परतें बुनी गई हैं, जो पारंपरिक सिनेमा की सीमाओं को चुनौती देती हैं। यह फिल्म अमेज़न एमजीएम स्टूडियोज की शुरुआती थियेट्रिकल प्रस्तुतियों का हिस्सा भी है, जो इस निर्देशक और स्ट्रीमिंग दिग्गज के बीच एकमजबूत साझेदारी को दर्शाता है। इससे निशानची' को बड़े पर्दे पर दर्शकों के बीच व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है, साथ ही सिनेमाई अनुभव भीबना रहेगा। अनुराग कश्यप की फिल्मों की खासियत है उनकी हिम्मत और सामाजिक मुद्दों को बेधड़क तरीके से उठाना, और निशानची' भी इस ट्रेंड को जारीरखती है। जब यह फिल्म अगले साल रिलीज़ होगी, तो यह कश्यप के कैरियर में एक और यादगार अध्याय साबित होगी। (आरएनएस)

सोनाली बेंद्रे ने बताया सफल शादी का राज

अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे इन दिनों पति-पत्नी और पंगा को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने बताया कि शादी को कामयाब बनाने के लिए पति-पत्नी दोनों को रोजाना अपने रिश्ते पर ध्यान देना चाहिए। इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि रिश्ता तभी मजबूत रहता है जब दोनों मिलकर इसको सहेजते हैं।

सोनाली ने कहा, आज के यंग कपल्स को सलाह देना मुश्किल है, क्योंकि वे मानते हैं कि उन्हें सब कुछ पहले से पता है। उनके पास इंटरनेट है। गूगल और चैटजीपीटी जैसे टूल्स हैं, जो हर सवाल का जवाब फौरन दे देते हैं। इसलिए, वे किसी की भी सलाह को गंभीरता से नहीं लेते, और उन्हें सलाह देने की कोशिश करने वाले अक्सर नाकाम हो जाते हैं।

सोनाली बेंद्रे ने अच्छी शादी का राज बताते हुए कहा, मेरे हिसाब से शादी ऐसी चीज है, जिसमें रोज थोड़ी-थोड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसे कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। दोनों पति-पत्नी को मिलकर इस रिश्ते पर काम करना होता है और साथ ही एक-दूसरे का सम्मान करना बहुत जरूरी है। बेंद्रे ने बताया कि शादी एक ऐसा रिश्ता है जो बराबरी और आपसी साझेदारी पर टिकता है।

उन्होंने कहा, जरूरी नहीं कि हर काम में हम एक जैसे हों, लेकिन हमारी खूबियां एक-दूसरे की खामियों को पूरा करें। अब मुझे कुछ चीजें अच्छे से आती हैं, और कुछ मेरे पति को, तो हम अपनी जिम्मेदारियां उसी हिसाब से बांटते हैं। शादी का मतलब है एक-दूसरे का साथ। वक्त के साथ समझ आता है कि कभी-कभी आप ज्यादा समझौता करते हैं, और कभी आपका पार्टनर करता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बराबरी का मतलब हर छोटे काम में बराबरी नहीं बल्कि लंबे सफर में एक-दूसरे की इज्जत और परवाह सबसे जरूरी है। यानि शादी में हर चीज बराबर नहीं होती, लेकिन प्यार, सम्मान और सहयोग सबसे अहम होते हैं।

सोनाली बेंद्रे मानती हैं कि इंटरनेट अपने साथ दुनिया और रिश्तों में बहुत बड़ा बदलाव लाया है।

उन्होंने कहा, अब बहुत तेजी से बदलाव हो रहा है। पहले एक जेनरेशन बदलने में 20-25 साल लगते थे, लेकिन अब ऐसा लगता है कि हर 3 साल में चीजें बदल जाती हैं। सब कुछ एकदम उल्टा हो गया है। इंटरनेट ने लोगों के जीने और जुड़ने के तरीके ही बदल दिए हैं। बता दें, अभिनेत्री कलर्स टीवी के नए शो पति, पत्नी और पंगा में नजर आएंगी। इस शो में सोनाली के साथ कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी भी को-होस्ट के रूप में होंगे।(आरएनएस)

अवनीत कौर ने छोटी-सी फ्रॉक पहन दिखाई अदाएं

एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं। अवनीत कौर जल्द ही लव इन वियतनाम फिल्म में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें अवनीत पिंक कलर का शॉर्ट आउटफिट पहनकर कमसिन अदाएं दिखा रही हैं। अवनीत की यह तस्वीरें आते ही इंटरनेट पर वायरल हो गई हैं।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अवनीत कौर वन शॉल्डर पिंक कलर का फ्रॉक पहनें दिख रही हैं। फोटो में वह पार्क के बीच खड़ी होकर पोज दे रही हैं।

इन तस्वीरों में अवनीत कौर नेचर के बीच एंजॉय करती दिख रही हैं। फोटो में वह अपनी क्यूट स्माइल से फैंस के दिलों को ढेर कर रही हैं।

बता दें कि अवनीत कौर की यह तस्वीरें लंदन की हैं। इन फोटोज में अवनीत बला की खूबसूरत लग रही हैं और लोग उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

इन तस्वीरों में अवनीत कौर अपने टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट करते दिख रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर एक यूजर ने लिखा, आप हर ड्रेस में कमाल लगती हो। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, आपकी स्माइल बहुत क्यूट है।

इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए अवनीत कौर ने कैप्शन में लिखा, हमारा नया सॉन्ग बड़े दिन हुए लव इन वियतनाम से, आपको कैसा लगा। अवनीत की इन तस्वीरों को अब तक हजारों की संख्या में लाइक्स मिल चुके हैं।

इस आउटफिट के साथ अवनीत कौर ने अपने हाथों में पिंक कलर का बैग ले रखा है। इस फोटो में अवनीत पीछे मुड़कर पोज देती दिख रही हैं।

इस तस्वीर में अवनीत कौर अपने बालों को झटकते हुए पोज दे रही हैं। इस आउटफिट के साथ उन्होंने सटल मेकअप किया हुआ है, जो लुक में चार चांद लगा रहा है। (आरएनएस)

विपक्षी पार्टियां चुनाव का बहिष्कार नहीं करती

अजीत द्विवेदी

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह शिगूफा छोड़ा है। बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के खिलाफ विधानसभा में खूब हंगामे के बाद उन्होंने सदन के बाहर मीडिया से कहा कि वे विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने के बारे में विपक्ष की दूसरी पार्टियों से बातचीत करेंगे और जनता की राय भी लेंगे। तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला करते हुए यह भी कहा कि जब बेईमानी से सब कुछ तय कर रखा है कि किसको कितनी सीटें देनी हैं तो देखा जाएगा कि क्या किया जा सकता है।

उनके कहने का आशय यह था कि अगर विपक्षी पार्टियों में सहमति बनती है और जनता का रुख सकारात्मक दिखता है तो विपक्ष चुनाव का बहिष्कार कर सकता है। इसका मतलब है कि, न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी'। इससे जाहिर होता है कि विपक्ष को चुनाव का बहिष्कार नहीं करना है, बल्कि चुनाव के बहिष्कार की बात करके पूरी चुनाव प्रक्रिया और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवालिया निशान लगाना है।

वास्तविकता यह है कि विपक्ष ने चुनाव आयोग पर जिस तरह के आरोप लगाए हैं उसके बाद कोई कारण नहीं दिखता है कि विपक्ष चुनाव का बहिष्कार न करे। दिल्ली में राहुल गांधी से लेकर पटना में तेजस्वी यादव और मुंबई में उद्धव ठाकरे से लेकर लखनऊ में अखिलेश यादव तक कोई भी विपक्षी नेता नहीं बचा है, जिसने चुनाव आयोग पर सरकार के साथ मिल कर काम करने और विपक्ष को चुनाव हराने के बंदोबस्त करने के आरोप नहीं लगाए हैं। राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में जनादेश चुरा लेने का आरोप लगाया है।

उनका कहना है कि मैच फिक्सिंग से भाजपा ने महाराष्ट्र का चुनाव जीता और ऐसे ही मैच फिक्सिंग बिहार में हुई है। अब वे कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़े लेकर आने वाले हैं। उन्होंने कहा है कि जनादेश कैसे चुराया जाता है यह कर्नाटक की एक लोकसभा सीट के आंकड़ों से ब्लैक एंड व्हाइट में सबके सामने आ जाएगा। इस तरह वे यह भी बताना चाह रहे हैं कि लोकसभा चुनाव का जनादेश भी चुराया गया था।

राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू होने से पहले ही कहा था कि महाराष्ट्र में भाजपा जैसे मैच फिक्सिंग से चुनाव जीती है वैसे ही बिहार में भी मैच फिक्सिंग है। उनके इस बयान के थोड़े दिन बाद बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण शुरू हो गया। इसके विरोध में तेजस्वी यादव के साथ साथ राहुल गांधी भी पटना की सड़कों पर उतरे। विपक्ष का आरोप है कि उनके मतदाताओं के नाम काट कर और फर्जी नाम जोड़ कर भाजपा को जिताने की तैयारी हो रही है। सोचें, विपक्ष ने चुनाव आयोग पर कितनी तरह के आरोप लगाए हैं। मतदाता सूची में फर्जीवाड़े का आरोप सबसे नया है।

मतदाता सूची में फर्जीवाड़े के अलावा फर्जी वोट डलवाने, मतदान समाप्त होने के बाद आंकड़ों में गड़बड़ी करने, अचानक मतदान का प्रतिशत बढ़ जाने, मतदान केंद्रों के वीडियो नहीं जारी करके गड़बड़ी छिपाने आदि के आरोप पिछले एक साल से लग रहे हैं। उससे पहले सारा फोकस इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम में गड़बड़ी का था। विपक्ष का पूरा इकोसिस्टम साबित करने में लगा था कि ईवीएम में गड़बड़ी करके भाजपा जीत रही है। हालांकि विपक्ष किसी ठोस सबूत से इसे प्रमाणित नहीं कर सका। बहरहाल, अब सीधे चुनाव कराने वाली संस्था यानी चुनाव आयोग को ही कठघरे में खड़ा कर दिया गया है।

सोचें, अगर चुनाव आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी करता है, मनमाने तरीके से कुछ खास समुदाय या जातियों के वोट काटता है और दूसरे फर्जी वोट जोड़ता है, शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के बाद लाखों की संख्या में वोट डलवा देता है, रात 11 बजे के बाद या मतदान के अगले दिन अचानक मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी कर देता है, ईवीएम में गड़बड़ी करके मतदान प्रतिशत बढ़ाता है और भाजपा की जीत सुनिश्चित करता है तो फिर विपक्ष को क्यों चुनाव लड़ना चाहिए? अगर विपक्ष अपने इन आरोपों के प्रति गंभीर है और इनकी सचाई पर उसको यकीन है तो फिर उसे किसी हाल में चुनाव नहीं लड़ना चाहिए।

अगर उसको लग रहा है कि मतदान की निष्पक्षता, स्वतंत्रता और शुचिता से समझौता हो रहा है और चुनाव आयोग सत्तारूढ़ दल की जीत के लिए काम कर रहा है तो उसे चुनाव का बहिष्कार करना चाहिए। क्योंकि ऐसी स्थिति में विपक्ष के लिए बराबरी का मैदान नहीं रहता है और मुकाबला शुरू होने से पहले ही वह हार चुका होता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी फुटबॉल मैच में रेफरी दूसरी टीम से मिला होगा तो दूसरी टीम आक्रामक तरीके से खेलेगी, गलत तरीके से आप पर वार करेगी, आपको घायल करेगी और आपको हरा भी देगी। जब आपको रेफरी के यानी चुनाव आयोग के भाजपा से मिले होने के आरोपों पर यकीन है तो आप क्यों मुकाबले में शामिल हो रहे हैं?

ध्यान रहे भारत में कभी भी विपक्षी पार्टियों ने चुनाव के बहिष्कार के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है। वे हर चुनाव से पहले चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हैं, ईवीएम सेट होने की बात करते हैं, मैच फिक्सिंग का दावा करते हैं और फिर चुनाव में शामिल होते हैं। अगर जीत गए तो कभी भी प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठाते हैं और हार गए तो आरोपों को दोहराने लगते हैं। इससे चुनाव आयोग की साख जितनी खराब हुई है उतनी ही विपक्ष की साख भी खराब हुई है। अब विपक्ष के आरोपों पर लोग यकीन नहीं करते हैं। उप राष्ट्रपति वाले प्रकरण के बाद तो और भी नहीं करेंगे।

ध्यान रहे विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी जैसे चुनाव आयोग को सरकार से मिला हुआ बताती है वैसे ही तत्कालीन उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को भी सरकार का एजेंट बताती थी। लेकिन धनखड़ का इस्तीफा हुआ तो कांग्रेस उनको नियम और मर्यादा का पालन करने वाला और पक्ष व विपक्ष दोनों पर समान रूप से सख्ती करने वाला बता रही है। तभी यह सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस आज चुनाव आयोग में तमाम कमियां निकाल रही है लेकिन क्या पता कल तारीफ करने लगे!

बहरहाल, चुनाव बहिष्कार करना विपक्ष का विरोध करने का एक लोकतांत्रिक तरीका है। दुनिया के कई देशों में विपक्षी पार्टियों ने चुनाव का बहिष्कार किया और उसके बाद उन देशों में राजनीतिक हालात बदले। सबसे ताजा मिसाल बांग्लादेश की है। पिछले साल जनवरी में हुए राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी पार्टियों ने तत्कालीन शेख हसीना सरकार पर चुनाव में धांधली करने के आरोप लगाते हुए चुनाव का बहिष्कार किया।

विपक्ष के बहिष्कार के बीच हुए चुनाव में 40 फीसदी के करीब वोट पड़े, जिसमें शेख हसीना की पार्टी ने 299 में से 216 सीटें जीतीं। उन्हीं की ओर से खड़ा कराए गए निर्दलीय उम्मीदवारों ने 52 सीटें जीतीं और 11 सीटें जातीय पार्टियों को गईं। अमेरिका सहित दुनिया भर के देशों ने इस चुनाव की आलोचना की। शेख हसीना के प्रति वैश्विक बिरादरी की राय बिगड़ी और नतीजा यह हुआ कि अगस्त में शेख हसीना का तख्तापलट हो गया और उनको भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।

भारत में विपक्षी पार्टियां चुनाव का बहिष्कार नहीं करती हैं क्योंकि उनको अपने आरोपों पर खुद ही भरोसा नहीं है। उनको लगता है कि क्या पता इस बार चुनाव जीत जाएं। उनको यह भी लगता है कि जनादेश चुराने का आरोप लगा कर वे आम जनता को सरकार के खिलाफ खड़ा कर सकते हैं और इसका चुनावी लाभ उनको मिल सकता है। विपक्षी पार्टियों के बीच इतने बड़े मसले पर सहमति भी नहीं है। इसलिए उनको लगता है कि अगर दो चार पार्टियों ने बहिष्कार किया और अन्य पार्टियां चुनाव लड़ गईं तो विपक्ष का स्पेस उनको मिल जाएगा। इसलिए चुनाव आयोग के ऊपर इतने गंभीर आरोप लगाने के बाद भी विपक्षी पार्टियां चुनाव लड़ती हैं।

सू- दोकू क्र.49

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.48 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

स्कूली इमारतों के निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर स्कूलों में बच्चों से जुड़ी संरचनाओं तथा सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करना अनिवार्य कर दिया है।

यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में एक सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा गिरने के मद्नेनजर उठाया गया है। गौरतलब है कि 25 जुलाई को हुए इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। इसे देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली इमारतों में संरचनात्मक समग्रता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली के तारों का गहन मूल्यांकन करने को कहा है।

कर्मचारियों और छात्रों को आपातकालीन तैयारियों का प्रशिक्षण, जिसमें निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हों, सुनिश्चित करने को भी कहा है। हाल के समय में स्कूलों में कई दुखद घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई छात्र असमय काल के गाल में समा गए। जाहिर है कि यह कदम काफी देर से उठाया गया है, लेकिन निश्चित ही सराहनीय है, जिसमें नौनिहालों के जीवन को लेकर सरकार की संजीदगी का पता चलता है।

राज्यों के सार्वजनिक निर्माण विभाग और पंचायती स्तर पर स्कूली इमारतों के निर्माण कराए जाते हैं। जरूरी है कि निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों। निर्माण सामग्री घटिया न हो। इसके लिए इन विभागों में निगरानी तंत्र होता है। यदि कोई इमारत मियाद पूरी करने से पहले ही जर्जर होकर धराशायी होने के कगार पर जा पहुंची है, तो निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल के साथ ही लापरवाही और सरकारी धन की बंदरबांट बड़े कारण हो सकते हैं।

इसलिए जरूरी है कि स्कूली इमारतों में निर्माण के स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। ऐसा होता है तो इस प्रकार की दर्दनाक घटनाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सरकार के ही कई विभाग हैं, जो अपने लिए जरूरी निर्माण कार्य अपने तई विभाग गठित करके पूरा कराते हैं। इन विभागों का प्रमुख दायित्व निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना होता है यानी अपनी नजरों के सामने निर्माण कराए जाने को तरजीह दी जाती है। यहां तो मसला होनहारों का है, जिन्हें किसी भ्रष्टाचार का शिकार नहीं होने दिया जा सकता। अच्छी बात है कि सरकार ने सभी स्कूली इमारतों की सुरक्षा जांच को कहा है। यह भी जरूरी है कि असुरक्षित स्थितियों पर सतत कड़ी नजर रखी जाए।(आरएनएस)

51 साल की मलाइका अरोरा ने दिए किलर अंदाज में पोज

मलाइका अरोरा बॉलीवुड की फिट एंड ग्लैमरस एक्ट्रेा में से एक हैं। मलाइका अपनी हॉट एण्ड बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचा देती हैं। 51 साल की उम्र में भी वह अपने किलर अंदाज से फैंस को घायल कर देती हैं।

मलाइका इन दिनों इटली में वेकेशन एंजॉय कर रही हैं। इस बीच उन्होंने पिंग बिकिनी में अपनी कुछ सुपर बोल्ड तस्वीरों से सोशल मीडिया पर लहलका मचा दिया हैं।

तस्वीरों में मलाइका पिंग बिकिनी और मैचिंग सरोंग पहने कभी मिरर के सामने सेल्फी लेती तो कभी स्विमिंग पूल किनारें पोज देती नजर आ रही हैं।

मलाइका ने मिनिमल मेकअप, लिंपग्लॉस और बालों का बन बनाकर अपना लुक कम्प्लीट किया हैं। एक्ट्रेस अपना टोन्ड फिगर और क्लीवेज फ्लांट करती दिख रही हैं।

फैंस और सेलेब्स मलाइका की इन सुपर बोल्ड तस्वीरों पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा पूरा इंडिया हिला दिया।

मलाइका बढ़ती उम्र में भी फैशन गोल्ड देती नजर आती हैं। उनका इंस्टा अकाउंट हॉट एण्ड बोल्ड तस्वीरों से भरा हुआ है। (आरएनएस)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी का जीवन देशभक्ति, समर्पण और सेवा का अनुपम उदाहरण है, जो हमें सदैव राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा।

मॉल की छत पर स्टंटबाजी पड़ी भारी, पांच गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। देहरादून में युवकों को कार व बाइक से स्टंट करना भारी पड़ गया है। एक मॉल की छत पर कुछ युवकों ने हुड़दंग मचाया, इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने 5 युवकों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार यह घटना जोगीवाला के निकट मॉल ऑफ देहरादून की है। जहां मॉल की छत पर कुछ युवक कार व बाइक से स्टंट कर रहे थे। अपने-अपने वाहनों पर सवार युवक एक्सीलेटर देकर गाड़ी से धुआं निकाल रहे थे। इसी के साथ ही हुड़दंग मचा रहे थे। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मॉल प्रबंधन स्टाफ से घटना की जानकारी जुटाई। बताया गया कि रैली कार समूह ने कैफे में लंच का कार्यक्रम में आयोजित की थी। जबकि छत का उपयोग केवल पार्किंग के लिए दिया गया था। लेकिन कुछ युवकों ने मोटरसाइकिल एवं कार से धुआं निकाला। जिससे ध्वनि प्रदूषण एवं जन असुविधा हुई। इस मामले की जानकारी पर पुलिस ने मॉल प्रबंधन और आयोजकों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की। भविष्य में ऐसी गलती दोबारा ना हो की चेतावनी दी।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने जोलीग्रान्ट के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख स्कूटी सवार स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 85 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम रवि चौहान पुत्र जसवन्त सिंह निवासी शिमला बाईपास पटेलनगर बताया। वहीं पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने भूडपुर के पास एक व्यक्ति को 127 पव्वे शराब के साथ एक को गिरफ्तार किया जिसने अपना नाम राजू पुत्र केहर सिंह निवासी भूडपुर बताया।

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्दश ग्राम ऋषिकेश निवासी हर गोपाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विदेश भेजने के नाम पर ठगे तीन लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। विदेश भेजने के नाम पर तीन लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खटीमा निवासी पंकज धामी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान विजय कालोनी निवासी राजीव शर्मा के साथ हुई। राजीव ने उसको विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उससे तीन लाख रूपये लिये। लेकिन ना तो उसको विदेश भेजा और न ही उसके पैसे वापस किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हनुमान ध्वज स्थापना के साथ हुआ भव्य रामलीला महोत्सव का आगाज

संवाददाता

देहरादून। रेसकोर्स में हनुमान ध्वज स्थापना के साथ भव्य रामलीला महोत्सव को आगाज हुआ।

आज यहां श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952 देहरादून द्वारा उत्तराखंड की ऐतिहासिक रामलीला को देहरादून में पुनर्जीवित करने के लिए निर्णय लिया गया और इस हेतु श्री गुरु नानक मैदान, रेसकोर्स, में हनुमान ध्वजा स्थापनाष कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल से सभी क्षेत्रवासियों ने मिलकर हनुमान ध्वजा को गुरु नानक मैदान, रेसकोर्स में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर गढ़वाल के वाद-यंत्र 'ढोल दमाऊ' के साथ परिक्रमा करवाई। हनुमान ध्वजा स्थापना हेतु पूजा, अर्चना व हवन किया व तत्पश्चात विधिख्रविधान से हनुमान ध्वजा की स्थापना की गई। श्री रामकृष्ण लीला समिति टिहरी 1952, देहरादून ष के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि उत्तराखंड की ऐतिहासिक रामलीला को देहरादून में रामलीला के सफल आयोजन की कामना हेतु जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हनुमान ध्वजा का विधि विधान से स्थापना करवाई और इसी दिन से रिहर्सल का कार्य भी आरंभ होता था। अतः हमने भी वही

परंपरा का पालन किया है। गढ़वाल की ऐतिहासिक राजधानी पुरानी टिहरी की 1952 से होने वाली प्राचीन रामलीला का अपने आप में बहुत बड़ा ऐतिहास है और या रामलीला 1952 से पुरानी टिहरी डूबने तक आयोजन किया गया। इस भव्य रामलीला मंचन को 2024 के आयोजन को विभिन्न माध्यमों से रिकार्ड 55 लाख दर्शकों तक पहुंचने में सफलता पाई। रामलीला से न सिर्फ इतिहास को जीवित करने का मौका मिलता है बल्कि आने वाली पीढियां के लिए मनोरंजन से अपने इतिहास और सनातन धर्म की परंपराओं के साथ जुड़ने का अवसर भी मिलता है। उल्लेखनीय है कि रेसकोर्स, देहरादून स्थित श्री गुरु नानक मैदान में रामलीला मंचन और भव्य मेले का आयोजन आने वाले शारदीय नवरात्रों में 22 सितंबर से 03 अक्टूबर 2025 तक भव्य रूप से किया जाएगा। इस रामलीला में चौपाई, कथा, संवाद, मंचन आदि सब 1952 से चली आ रही प्रसिद्ध व प्राचीन रामलीला के जैसा ही होगा, जिसे तकनीक के संगम के साथ आधुनिकता से दर्शाया जाएगा। इस भव्य रामलीला महोत्सव 2025 में विशेष आकर्षण के रूप में भव्य मेले प्रसारण किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्ष अभिनव थापर, सचिव अमित पंत, पार्षद वीरेंदर बिष्ट, बछेंद्र पांडेय, गिरीश पैनुली, दीपक ड्यून्डी, दुर्गा भट्ट, नीता बहुगुणा, नरेश कुमार, शशि पैन्यूली, मोहित मेहता, विजय कथूरिया आशीष भूटानी, नितिन चंचल, मोहन काला, आदि ने भाग लिया।

भाजपा छोड़कर दर्जनों लोगों ने थामा कांग्रेस का हाथ

संवाददाता

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस को जनसमर्थन मिला जिसमें भाजपा छोडकर दर्जनों लोगों ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया।

स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर देहरादून की धर्मपुर विधानसभा के मथुरावाला क्षेत्र में एक ऐतिहासिक राजनीतिक परिवर्तन देखने को मिला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा एवं प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला की उपस्थिति में वार्ड नंबर 85 स्थित आशीर्वाद एंक्लेव में वरिष्ठ भाजपाई एवं पूर्व ग्राम प्रधान नवीन छेत्री संग दर्जनों युवाओं, महिलाओं और पुरुषों ने भारतीय जनता पार्टी की नीतियों से असंतुष्ट होकर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सभी नव-शामिल सदस्यों को कांग्रेस का पटका पहनाकर विधिवत रूप से पार्टी में स्वागत किया गया। सदस्यता ग्रहण करने वालों ए.के. बहुगुणा, जी.पी. ममगाई, आयुष भट, श्रीमती शोभा भट, श्रीमती उर्मिला भट्ट, श्रीमती पविता पंवार, श्रीमती रीता रमोला, श्रीमती संतोषी रावत, श्रीमती अंजू बिष्ट, श्रीमती अनीता डोभाल, श्रीमती अनुराधा गुसाईं, अखिलेश भट, शिवशरण थलवाल, दिनेश बगियाल, सुनील उनियाल, राकेश बिजलवान, श्रीमती आशा थापा, सोहन शाही, श्रीमती सुचित्रा क्षेत्री, श्रीमती अर्चना थापा, राजकुमार सिंह क्षेत्री, श्री सुरेंद्र थापा, आनंद सिंह क्षेत्री, राजेश थापा, श्रीमती रत्ना देवी, श्रीमती भीमकला देवी, ठाकुर मलपुन, आनंद सिंह बिष्ट, कैलाश मैथानी, सतीश नेगी, श्रीमती राधिका नेगी, सहित अनेक स्थानीय नागरिक शामिल थे।

विकास कार्यों के नाम पर करोड़ों-अरबों रुपयों की हो चुकी लूटः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि विकास कार्यो के नाम पर करोडों-अरबो रूपये की लूट हो चुकी है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि लगभग 9- 10 माह पहले पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने बड़े जोर शोर से पंचायतों (जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायतों व ग्राम पंचायतों) में हुए विकास कार्यों की जांच कराऐ जाने की घोषणा की थी, लेकिन घोषणा के बाद सतपाल महाराज का मामले में खामोशी अख्तियार करना निश्चित तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण है। हो सकता है कि उन्हें कौन सा डर सताए जा रहा है, जिसकी वजह से जांच का फरमान आगे नहीं बढ़ पाया। नेगी ने कहा कि बहुत व्यापक पैमाने पर विकास कार्यों के नाम पर पंचायतों में यथा ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के स्तर से कराए गए कार्यों में धरातल

पर बामुश्किल 30-40 फीसदी धधनराशि में ही सारा काम निपटा दिया गया। उक्त कार्यों में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की कमीशन खोरी ने प्रदेश व केंद्र सरकार के बजट को ठिकाने लगा दिया। अगर आंकड़ों की बात करें तो लगभग 15-20 फीसदी कार्य धरातल पर उतरे ही नहीं तथा उनका पैसा अधिकारियों से मिलीभगत कर डकार लिया गया। अधिकांश कामों में एक ही कार्य को अलग-अलग नाम से जैसे ए के घर से बी के घर तक सड़क, फिर इस सड़क को बी के घर से ए के घर तक की सड़क का नाम देकर बजट ठिकाने लगाया गया। क्या कारण है कि जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख करोड़ों रुपया खर्च करके पद हासिल कर रहे हैं तथा वहीं दूसरी और लाखों रुपए खर्च करके प्रधान बन रहे हैं। क्या इसी रकम को दोगुना करने के लिए यह सारी लूट की जा रही है। मोर्चा मंत्री सतपाल महाराज से मांग करता है कि अपने वादे को पूरा करने का काम करें। पत्रकार वार्ता में दिलबाग सिंह, भीम सिंह बिष्ट, अमित जैन व प्रमोद शर्मा मौजूद थे।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर पहाड़ी से बोल्डर गिरने से तीर्थ यात्री की मौत

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। गौरीकुंड से केदारनाथ 19 किमी पैदल मार्ग पर पहाड़ी से बोल्डर गिरने में लगे हैं, जिस कारण यात्रियों को जान हथेली पर रखकर सफर करना पड़ रहा है। आज सुबह केदारनाथ पैदल मार्ग पर पहाड़ी से बोल्डर गिरने के कारण महाराष्ट्र के तीर्थ यात्री की मौत हो गई।

बता दें कि 14 अगस्त तक बंद थी केदारनाथ यात्रा के दौरान बारिश के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया हैं। बारिश का सबसे बुरा असर केदारनाथ धाम की यात्रा पर पड़ रहा है, बीते दिनों तेज बारिश होने और गौरीकुंड-केदारनाथ 19 किमी पैदल मार्ग पर खतरा होने को देखते हुए जिला प्रशासन ने 14 अगस्त तक केदारनाथ यात्रा पर रोक लगाई थी, लेकिन फिर भी कुछ यात्री सोनप्रयाग से आगे जाने पर अड़े हुए थे, जिन पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। 15 अगस्त को जैसे ही केदारनाथ धाम की यात्रा खोली गई तो सैकड़ों की संख्या भक्त रवाना हुए, लेकिन आज सुबह एक घटना हो गई, जिसमें एक तीर्थ यात्री की पैदल मार्ग पर पत्थर गिरने से मौत हो गई। 15 अगस्त सुबह करीब 10 बजे पुलिस चौकी गौरीकुंड को सूचना मिली कि गौरीकुंड से करीब एक किमी ऊपर केदारनाथ यात्रा मार्ग में छौड़ी गधेरे के पास एक यात्री की पहाड़ी से गिरे पत्थर की चपेट में आने से मृत्यु हो गयी है. सूचना पर मृत यात्री परमेश्वर भीम राव खावाल पुत्र भीम राव खावाल निवासी गली नम्बर कोलहटी औरंगाबाद महाराष्ट्र उम्र 38 वर्ष को तत्काल जिला प्रशासन की यात्रा मैनेजमेंट फोर्स और पुलिस द्वारा गौरीकुंड अस्पताल लाया गया है, जहां अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की गई।

साईकिलिस्ट सोहन रावत महानिदेशक की प्रशस्ति डिस्क एवं पत्र से सम्मानित

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। सीआरपीएफ में कार्यरत देहरादून के सोहन सिंह रावत, सहायक कमाण्डेंट को सीआरपीएफ के महानिदेशक की प्रशस्ति डिस्क एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया है ।

डिब्रूगढ़, असम में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में प्रभाकर त्रिपाठी, डीआईजी, सीआरपीएफ द्वारा उन्हें महानिदेशक की प्रशस्ति डिस्क एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया । उन्हें यह सम्मान लगातार 600 किमी एन्ड्यूरेन्स साईकिलिंग अभियान पूर्ण करने पर प्रदान किया गया है।

सोहन सिंह रावत ने 600 किमी साईकिलिंग के अतिरिक्त 200, 300 एवं 400 किमी लगातार साईकिलिंग करने पर साईकिलिंग का प्रतिष्ठित "सुपर रेंडोनियर" का खिताब भी हासिल किया है।

57 वर्षीय सोहन सिंह रावत, ग्राम-चमाली, चौंदकोट, जिला-पौड़ी गढ़वाल के मूल निवासी हैं। इन्होंने साईकिल से उत्तराखण्ड के चारधाम पंच केदार, बूढ़ा केदार, माता के सिद्ध शक्ति पीठ, दयारा बुग्याल, हनोल इत्यादि की कठिन यात्राएं सम्पूर्ण की हैं। वे वर्ष 2019 से अब तक कुल 1,37,000 किमी से भी अधिक की साईकिल यात्राएं पूर्ण कर चुके हैं।

कुत्तों पर अत्याचार बंद करो 'रैली'

देहरादून (कासं)। पशु प्रेमियों ने सर्वोच्च न्यायालय के उस हालिया आदेश को वापस लेने की मांग करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रैली निकाली। जिसमें सड़कों के कुत्तों को पिंजरों में रखने का निर्देश दिया गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आवारा कुत्ते मासूम जीव हैं जिन्हें कैद नहीं, बल्कि करुणा और संरक्षण की जरूरत है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से तख्तियां थामीं और पशु-प्रेम व सह-अस्तित्व का संदेश फैलाया। आयोजकों का कहना था कि उत्तराखंड हमेशा से प्रकृति और जीवों के साथ सामंजस्य की धरती रहा है और यही भावना कानून और फैसलों में भी झलकनी चाहिए।

आबकारी विभाग ने स्वतंत्रता दिवस पर पकड़ी 18 पेटी शराब

हमारे संवाददाता

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जहां पूरा देश आजादी का जश्न मना रहा था और सरकारी आदेश के तहत पूरे देश में शराब के ठेके बंद थे, वहीं डोईवाला में शराब तस्करों पर आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। यहां दो शराब तस्करो को पकड़ कर आबकारी विभाग की टीम ने 18 पेटी देशी व अंग्रेजी शराब बरामद की है।

जानकारी के अनुसार, डोईवाला में देशी शराब के एक बंद ठेके के सामने स्थित गोलू दा ढाबा नामक रेस्टोरेंट में दो व्यक्ति अवैध रूप से शराब की बिक्री और तस्करी में संलिप्त पाए गए। आबकारी विभाग को इस संबंध में गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम ने मौके पर छापा मारा। आबकारी अधिकारी ने बताया कि जब टीम ने जांच शुरू की तो ढाबे के नीचे बने एक गुप्त गोदाम से भारी मात्रा में शराब का जखीरा बरामद किया गया। इसमें 15 पेटी देशी शराब और 3 पेटी अंग्रेजी शराब शामिल थी। बरामद शराब को मौके पर सीज कर लिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, बरामद शराब की कीमत हजारों रुपये में आंकी जा रही है और यह स्वतंत्रता दिवस पर लागू प्रतिबंध का स्पष्ट उल्लंघन है। मौके से पकड़े गए दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह शराब आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई की जानी थी।

'द बंगाल फाइल्स' फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान हंगामा

कार्यालय संवाददाता

कोलकाता। मशहूर फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर एक बार फिर से बवाल मच गया है। आज फिल्म का ट्रेलर रिलीज होना था, लेकिन फिल्म के ट्रेलर रिलीज के दौरान कोलकाता में इसको लेकर हंगामा खड़ा हो गया। फिल्म के ट्रेलर को रिलीज नहीं करने दिया गया। हंगामे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है।

आज 16 अगस्त को फिल्म का पश्चिम बंगाल में ट्रेलर रिलीज होना था, लेकिन कई सिनेमाघरों ने डायरेक्टर की अपकमिंग फिल्म के ट्रेलर को लॉन्च करने से साफ मना कर दिया। डायरेक्टर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने खुलासा किया कि 7 सिनेमाघरों ने सरकार की तरफ से दबाव का हवाला देते हुए उनकी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च से मना कर दिया। हालांकि इन अड़चनों के बावजूद डायरेक्टर ने दावा किया कि फिल्म का ट्रेलर आज की तय तारीख पर ही रिलीज होगा।

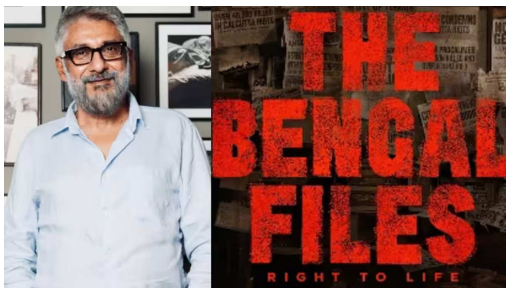

सिनेमाघरों के हाथ खड़े करने के बाद विवेक अग्निहोत्री अब अपनी अपकमिंग फिल्म का ट्रेलर होटल में लॉन्च करेंगे। विवेक की फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर पहले से ही काफी विवाद छिड़ गया है जिसकी वजह से फिल्म की रिलीज डेट को भी टालना पड़ा था। टीएमसी नेताओं ने डायरेक्टर की फिल्म का कड़ा विरोध जताते हुए उनपर कई एफआईआर दर्ज कराई हैं। टीएमसी नेताओं का आरोप है कि विवेक अपनी फिल्म के जरिए बंगाल में दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि डायरेक्टर ने अबतक एक एफआईआर पर कोर्ट से स्टे ऑर्डर ले लिया है।

अपनी फिल्म पर हो रहे विवाद के बारे में बात करते हुए वो कहते हैं कि उन्हें नहीं समझ आ रहा है कि आखिर उनकी फिल्म पर इतना विवाद क्यों हो रहा है। टीएमसी उनकी फिल्म की रिलीज को रोकने के हर मुमकिन कोशिश कर रही है। वो कहते हैं, 'आज 16 अगस्त को कोलकाता में हिंदूओं का नरसंहार हुआ था। सुहारावर्दी के कहने पर ये नरसंहार हुआ था जिसे बंगाल का कसाई भी कहा जाता है। 40,000 हजार लोग मारे गए थे और 40, 000 लोगों ने हुगली नदी में कूद कर अपनी जान दे दी थी।'

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।